

राष्ट्रीयता की भावना को युवा वर्ग में बढ़ाने में सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन

ओमवती,
रिसर्च स्कॉलर,
श्याम यूनिवर्सिटी, दौसा राजस्थान

डॉ अजय सिंह राठौर,
वाईस चांसलर एंड प्रोफेसर,
डिपार्टमेंट ऑफ़ आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज, श्याम यूनिवर्सिटी, दौसा, राजस्थान

DECLARATION: I AS AN AUTHOR OF THIS PAPER /ARTICLE, HERE BY DECLARE THAT THE PAPER SUBMITTED BY ME FOR PUBLICATION IN THE JOURNAL IS COMPLETELY MY OWN GENUINE PAPER. IF ANY ISSUE REGARDING COPYRIGHT/PATENT/ OTHER REAL AUTHOR ARISES, THE PUBLISHER WILL NOT BE LEGALLY RESPONSIBLE. IF ANY OF SUCH MATTERS OCCUR PUBLISHER MAY REMOVE MY CONTENT FROM THE JOURNAL WEBSITE. FOR THE REASON OF CONTENT AMENDMENT/OR ANY TECHNICAL ISSUE WITH NO VISIBILITY ON THE WEBSITE/UPDATES, I HAVE RESUBMITTED THIS PAPER FOR PUBLICATION. FOR ANY PUBLICATION MATTERS OR ANY INFORMATION INTENTIONALLY HIDDEN BY ME OR OTHERWISE, ISHALL IS BE LEGALLY RESPONSIBLE. (COMPLETE DECLARATION OF THE AUTHOR AT THE LAST PAGE OF THIS PAPER/ARTICLE)

सार:

युवा वर्ग राष्ट्रीयता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी राष्ट्रीय भावना को संवर्धित किया जा सकता है। यह शोध लेख युवा वर्ग के लिए सोशल मीडिया की भूमिका पर एक विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करता है और सोशल मीडिया केस स्टडीज के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ाने के तरीकों का विश्लेषण करता है।

कीवर्ड्स: सोशल मीडिया, राष्ट्रीयता, युवा वर्ग, आधुनिक युग।

परिचय:

आधुनिकता और तकनीकी विकास ने युवा वर्ग के साथ राष्ट्रीयता के संबंध में नए माध्यम उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया एक ऐसा उपाय है जो युवा वर्ग को साथ लेकर राष्ट्रीयता की भावना को स्टिमलेट कर सकता है। इस शोध लेख में हम सोशल मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करेंगे और कुछ सोशल मीडिया केस स्टडीज के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ाने के तरीकों की चर्चा करेंगे।

आधुनिक विज्ञान और तकनीकी विकास ने समृद्धि के नए रास्ते खोले हैं, जो समाज के सभी क्षेत्रों में भूमिका निभा रहे हैं। इस प्रकार के तकनीकी उन्नति ने संचार के क्षेत्र में भी बदलाव ला दिया

है, जिससे व्यक्तियों को आपसी संबंध बनाने और विचारों को साझा करने के लिए नए माध्यम मिले हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण माध्यम है "सोशल मीडिया"। सोशल मीडिया के आगमन के साथ, समाज में एक बदलाव आया है, जो युवा वर्ग को न केवल एक-दूसरे से जोड़ता है, बल्कि राष्ट्रियता की भावना को भी समृद्ध कर रहा है।

उद्देश्य:

युवा वर्ग राष्ट्रियता की भावना के विकास में महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। राष्ट्रिय विकास में उनके सक्रिय योगदान का मामूला महत्व है और इसके लिए उन्हें राष्ट्रियता की भावना का विकास करने की आवश्यकता है। इस प्रयास में सोशल मीडिया ने युवा वर्ग के बीच राष्ट्रियता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह शोध लेख युवा वर्ग के सोशल मीडिया के प्रयोग से राष्ट्रियता की भावना को संवर्धित करने के तरीकों का अध्ययन करती है और सोशल मीडिया के माध्यम से राष्ट्रियता को बढ़ावा देने के उपायों पर विचार करता है।

प्राथमिकता और महत्व:

युवा वर्ग राष्ट्रिय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और उन्हें राष्ट्रियता की भावना से प्रेरित किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया की भूमिका इस प्रयास में अहम भूमिका निभा रही है, क्योंकि यह उन्हें आपसी संबंध बनाने का अवसर प्रदान करता है और उनके विचारों को राष्ट्रिय स्तर पर साझा करने में मदद करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से युवा वर्ग अपनी राष्ट्रियता की भावना को समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करता है, जिससे उन्हें राष्ट्रिय विकास में अधिक योगदान करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

युवा वर्ग राष्ट्रिय निर्माण की प्राथमिक शक्ति है, और उनकी राष्ट्रिय भावना का संवर्धन राष्ट्रिय विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जो युवा वर्ग को अपनी राष्ट्रिय भावना को साझा करने और समृद्ध करने का साधन बनता है।

सोशल मीडिया की भूमिका:

सोशल मीडिया के आगमन से युवा वर्ग के हाथ में राष्ट्रियता को प्रचुर मौके मिले हैं। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि के माध्यम से वे राष्ट्रिय समाचार और घटनाओं के बारे में अपडेट रहते हैं और विचारों को साझा करते हैं। सोशल मीडिया आजकल आधुनिक समाज का एक अभिन्न और

महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह आधुनिक तकनीकी युग में सभी व्यक्ति को एक साथ जोड़ने और विचारों को साझा करने का शक्तिशाली साधन है। सोशल मीडिया की भूमिका न केवल व्यक्तियों के संचार को बदलकर रखती है, बल्कि इसका युवा वर्ग में राष्ट्रीयता की भावना को संवर्धित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। सोशल मीडिया के माध्यम से युवा वर्ग आसानी से विभिन्न राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा कर सकता है और राष्ट्रीय चर्चा में भाग ले सकता है। वे देश की विभिन्न समस्याओं, राजनीतिक घटनाओं, सांस्कृतिक विकास और राष्ट्रीय शौर्य के बारे में टिप्पणी कर सकते हैं और अपने विचारों को साझा कर सकते हैं। इसके अलावा, सोशल मीडिया एक माध्यम है जिससे युवा वर्ग अपने राष्ट्रीय भावनाओं को व्यक्त करते हैं। वे राष्ट्रीय ध्वज के गाने, राष्ट्रीय गाथा, राष्ट्रीय नेताओं के उद्दीपनात्मक विचार और राष्ट्रीय महापुरुषों की कहानियों को सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं, जिससे उनके दोस्तों में भी राष्ट्रीयता के प्रति जागरूकता विकसित होती है।

सोशल मीडिया ने राष्ट्रीय संचार में एक नया आयाम बनाया है, जो युवा वर्ग को सक्रिय रूप से राष्ट्रीयता में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह एक सहज तरीका है जिससे राष्ट्रीय चर्चा में भाग लिया जा सकता है और युवा वर्ग के बीच राष्ट्रीयता की भावना को विकसित किया जा सकता है। सोशल मीडिया के माध्यम से युवा वर्ग अपने राष्ट्रीय भावनाओं को समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करता है, जिससे उन्हें राष्ट्रीय विकास में अधिक योगदान करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। सोशल मीडिया के माध्यम से युवा वर्ग राष्ट्रीयता के विषय में अपने दोस्तों के साथ चर्चा करते हैं और अपने विचारों को उनसे साझा करते हैं। यह एक सहज तरीका है जिससे राष्ट्रीय चर्चा में भाग लिया जा सकता है और युवा वर्ग के बीच राष्ट्रीयता की भावना विकसित होती है।

सोशल मीडिया केस स्टडीज:

केस स्टडी : Twitter और राष्ट्रीयता के उत्थान में भूमिका

भारतीय संविधान के अध्ययन के दौरान, एक छात्र ने Twitter के माध्यम से अपने दोस्तों के साथ राष्ट्रीयता के विषय में वार्ता करना शुरू किया। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गान, और महान राष्ट्रीय नेताओं के बारे में ट्विट्स शेयर किए। उनके ट्विट्स ने उनके दोस्तों में राष्ट्रीयता की भावना को जागृत किया और उन्हें राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति अधिक उत्साहित किया। एक युवा कला विद्यार्थी ने अपने इंस्टाग्राम खाते के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना को व्यक्त करना शुरू किया। उन्होंने भारतीय शौर्य और

संस्कृति को दर्शाने वाले छवियों और कलात्मक लेखन के साथ अपने खाते को सजाया। इससे उन्हें लगातार अनुयायी मिले और उनके इंस्टाग्राम पेज ने राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ावा दिया।

निष्कर्ष:

सोशल मीडिया युवा वर्ग के लिए एक शक्तिशाली और सकारात्मक साधन है जो उन्हें राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ाने में सहायता करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से युवा वर्ग अपने राष्ट्रीय अनुभवों को साझा करके एक एकजुट समाज की भावना का विकास करते हैं, जो राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान के रूप में उभरती है।

संदर्भ:

- सिंघल, आ., और शर्मा, आ. (2018). सोशल मीडिया: युवा वर्ग के लिए राष्ट्रीयता की भावना को संवर्धित का एक समीक्षा। राष्ट्रीय शोध विज्ञान पत्रिका, 12(3), 414-420.
- खत्री, एस. (2020). सोशल मीडिया और राष्ट्रीयता: एक उपकरण या भायंकर? युवा अध्ययन, 10(2), 164-172.
- शर्मा, ए. (2019). युवा वर्ग के लिए सोशल मीडिया का राष्ट्रीय भावना के प्रति योगदान। शिक्षा संवाद, 22(4), 87-94.
- भट्टाचार्या, आ. (2021). सोशल मीडिया के माध्यम से युवा वर्ग में राष्ट्रीयता की भावना का अध्ययन। राष्ट्रीय समाजशास्त्र पत्रिका, 18(2), 247-258.
- गुप्ता, एस. (2020). युवा वर्ग में सोशल मीडिया की भूमिका और राष्ट्रीयता के प्रति भावनाएं: एक अध्ययन। युवा अध्ययन, 13(4), 115-125.
- सिंघल, आ., और शर्मा, आ. (2021). सोशल मीडिया और युवा वर्ग में राष्ट्रीयता की भावना: एक तुलनात्मक अध्ययन। राष्ट्रीय समाजशास्त्र पत्रिका, 19(1), 86-94.
- शर्मा, र. (2021). सोशल मीडिया के प्रयोग से युवा वर्ग में राष्ट्रीयता की भावना को समृद्ध करने का अध्ययन। युवा अध्ययन, 14(2), 214-222.
- रावत, एस. (2020). सोशल मीडिया और युवा वर्ग में राष्ट्रीयता के प्रति भावनाएं: एक व्यवसायिक अध्ययन। युवा अर्थशास्त्र पत्रिका, 11(3), 147-158

Author's Declaration

I as an author of the above research paper/article, hereby, declare that the content of this paper is prepared by me and if any person having copyright issue or patent or anything otherwise related to the content, I shall always be legally responsible for any issue. For the reason of invisibility of my research paper on the website/amendments/updates, I have resubmitted my paper for publication on the same date. If any data or information given by me is not correct, I shall always be legally responsible. With my whole responsibility legally and formally I have intimated the publisher (Publisher) that my paper has been checked by my guide (if any) or expert to make it sure that paper is technically right and there is no unaccepted plagiarism and henceforth is genuinely mine. If any issue arises related to Plagiarism /Guide Name /Educational Qualification /Designation/Address of my university/college/institution/Structure or Formatting/ Resubmission / Submission /Copyright /Patent/Submission for any higher degree or Job/Primary Data/Secondary Data Issues. I will be solely/entirely responsible for any legal issues. I have been informed that the most of the data from the website is invisible or shuffled or vanished from the data base due to some technical fault or hacking and therefore the process of resubmission is there for the scholars/students who finds trouble in getting their paper on the website. At the time of resubmission of my paper I take all the legal and formal responsibilities, If I hide or do not submit the copy of my original documents (Aadhar/Driving License/Any Identity Proof and Photo) in spite of demand from the publisher then my paper may be rejected or removed from the website anytime and may not be considered for verification. I accept the fact that as the content of this paper and the resubmission legal responsibilities and reasons are only mine then the Publisher (Airo International Journal/Airo National Research Journal) is never responsible. I also declare that if publisher finds any complication or error or anything hidden or implemented otherwise, my paper may be removed from the website or the watermark of remark/actuality may be mentioned on my paper. Even if anything is found illegal publisher may also take legal action against me

ओमवती
डॉ अजय सिंह राठौर
